भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

04.12.2019 के

तारांकित प्रश्न सं. 239 का उत्तर

तेजस के कार्य-निष्पादन का विश्लेषण

239. डॉ॰ टी॰ आर॰ पारिवेन्धरः

श्री चंद्र शेखर साहूः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारतीय रेलवे ने तेजस एक्सप्रेस के कार्य-निष्पादन का पता लगाने हेतु अब तक कोई विश्लेषण किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा तेजस एक्सप्रेस के प्रचालनात्मक व्यय एवं आय का अब तक का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या निजीकृत दिल्ली-लखनऊ तेजस एक्सप्रेस ने अपने निजीकरण के पहले माह में लगभग 90 लाख रुपये की आय अर्जित की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने भारतीय रेलवे की अन्य यात्री रेलगाड़ियों, जोकि उतनी कमाई नहीं कर रही हैं, की तुलना में ऐसे लाभ के लिये उत्तरदायी किसी निजी फर्म द्वारा लाभार्जन के कारकों की जांच की है तथा कारणों और प्रचालन के तरीकों का विश्लेषण किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या निष्कर्ष रहे;

(घ) क्या निजी रेलगाड़ियों में औसत सीट धारण भारतीय रेलवे द्वारा चलाई जा रही अन्य रेलगाड़ियों की तुलना में काफी अधिक है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं;

(ड.) भारतीय रेलवे की अवसंरचना का उपयोग किये जाने के लिए निजी रेलगाड़ियों हेतु निर्धारित औसत राशि कितनी हैं तथा भारतीय रेलवे की पूंजी और अवसंरचना का उपयोग करने हेतु निजी कंपनियों द्वारा अदा किये जाने वाले लाभ और शुल्क की हिस्सेदारी कितनी है; और

(च) क्या सरकार को हानि पहुंचाए बगैर सुगम कार्यकरण हेतु समुचे देश में अन्य रेलगाड़ियों में भी ऐसी प्रचालन प्रणाली कार्यान्वित किये जाने का प्रस्ताव है; और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (च): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

तेजस के कार्यनिष्पादन के विश्लेषण के संबंध में दिनांक 04.12.2019 को लोक सभा में डॉ. टी. आर. पारिवेन्धर और श्री चन्द्रशेखर साहू द्वारा पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न सं.239 के भाग (क) से (च) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): भारतीय रेलों पर 2 जोड़ी तेजस एक्सप्रेस गाड़ियां अर्थात 22119/22120 मुंबई सीएसएमटी-करमाली और 22671/22672 चेन्नै एग्मोर-मदुरै चलाई जा रही हैं। नई दिल्ली-लखनऊ सेक्टर पर तीसरी तेजस एक्सप्रेस गाड़ी को इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) द्वारा परिचालित किया जा रहा है। इसका परिचालन 04.10.2019 से शुरू हो गया है। 04.10.2019 से 31.10.2019 की अवधि के दौरान, आईआरसीटीसी द्वारा उक्त तेजस एक्सप्रेस गाड़ी के परिचालन से लगभग 7.73 लाख रुपए की राशि अर्जित की गई है। परिचालन की उक्त अवधि के दौरान राजस्व और व्यय के अलेखापरीक्षित विवरण के अनुसार अनंतिम आंकड़े निम्नानुसार हैं:-

शीर्ष	अलेखापरीक्षित आंकड़े (लाख रु. में)
राजस्व (आर)	447.04
व्यय (ई)	439.31
परिचालनिक आमदनी (आर-ई)	07.73

नियमों एवं शर्तों के अनुसार आईआरसीटीसी द्वारा परिचालित उक्त तेजस गाड़ी की मध्यावधि समीक्षा एक वर्ष की अवधि समाप्त होने के बाद की जाएगी।

(ग): भारतीय रेल विविध यात्रियों की जरूरतों के अनुरूप विभिन्न किस्म की गाड़ी सेवाएं चलाती है। गतिमान एक्सप्रेस, वंदे भारत एक्सप्रेस आदि जैसी गाड़ियां संवर्द्धित सुविधाओं के साथ चलाई जाती हैं और ये गाड़ियां प्रीमियम क्षेत्र के यात्रियों में अत्यंत लोकप्रिय हैं। राजधानी एक्सप्रेस, दूरंतो एक्सप्रेस, शताब्दी एक्सप्रेस आदि जैसी गाड़ियां पूर्णतया आरक्षित अकोमेडेशन वाली गाड़ियां हैं और लंबी दूरी तथा इंटरसिटी यात्रियों को सुविधा प्रदान करती हैं। इसके अलावा, अन्य

मेल एक्सप्रेस गाड़ियां और अंत्योदय गाड़ियां सामान्य यात्रियों के लाभ के लिए परिचालित की जाती हैं, इनमें अनारक्षित टिकटों पर यात्रा करने वाले यात्री शामिल हैं। स्लीपर श्रेणी और द्वितीय श्रेणी के किराए में अत्यधिक छूट प्रदान की गई है और सामाजिक सेवा दायित्व के भाग के रूप में वरिष्ठ नागरिकों, स्वतंत्रता सेनानियों, छात्र-छात्राओं, दिव्यांगजनों आदि जैसी विभिन्न कोटियों में आरक्षित श्रेणियों में भी किराए में छूट प्रदान की जाती है। परिणामस्वरूप, भारतीय रेल, यात्रा लागत का औसतन केवल 57% वसूल करती है। भारतीय रेलों पर परिचालित की जाने वाली गाड़ियों, जिसमें प्रतिदिन 23 मिलियन यात्री यात्रा करते हैं, के कार्यक्षेत्र और मापदंड की आईआरसीटीसी द्वारा परिचालित नई दिल्ली-लखनऊ तेजस एक्सप्रेस, जिसका किराया भारतीय रेलों पर समान सेवाओं की तुलना में अधिक रखा गया है और इसमें कोई छूट स्वीकार्य नहीं है, के साथ कोई तुलना नहीं की जा सकती है। बहरहाल भारतीय रेलों में सर्वांगीण सुधार लाना निरंतर चलने वाली सतत प्रक्रिया है।

(घ): 04.10.2019 से 31.10.2019 तक आईआरसीटीसी द्वारा परिचालित नई दिल्ली-लखनऊ तेजस एक्सप्रेस की औसत अधिभोगिता लगभग 62% थी जबकि इसी सेक्टर पर चलने वाली 12003/12004 नई दिल्ली-लखनऊ शताब्दी एक्सप्रेस की औसत अधिभोगिता लगभग 100% थी। बहरहाल, गाड़ियों की दो कोटियां किराया संरचना, यात्रा समय, संरचना (कंपोजिशन), मूल्य संवर्द्धित सेवाओं आदि के संदर्भ में अलग-अलग होती हैं।

जहां तक भारतीय रेलों में गाड़ियों की अधिभोगिता का संबंध है, गाड़ियों की अधिभोगिता एकसमान नहीं होती है और यह विभिन्न सेक्टरों तथा सीज़न के दौरान घटती-बढ़ती रहती है। वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान भारतीय रेल द्वारा परिचालित गाड़ियों की औसत अधिभोगिता (एंड टू एंड आधार पर) 70% से 100% के बीच थी।

(ड.): मौजूदा शर्तों और नियमों के अनुसार, नई दिल्ली-लखनऊ तेजस एक्सप्रेस के मामले में आईआरसीटीसी द्वारा लागू ढुलाई प्रभार और चल स्टॉक के अभिरक्षण (कस्टडी) प्रभार का भुगतान किया जाता है।

(च): भारतीय रेल ने इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) को नई दिल्ली-लखनऊ और अहमदाबाद-मुंबई सेक्टर पर पायलट आधार पर 2 (दो) तेजस गाड़ी सेवाएं परिचालित करने के लिए प्राधिकृत किया है। इस समय, आईआरसीटीसी को अन्य तेजस गाड़ियां सौंपे जाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। सरकार ने अन्य बातों के साथ-साथ, भारतीय रेलों पर विश्वस्तरीय प्रौद्योगिकी वाली 150 गाड़ियों के परिचालन के लिए निजी गाड़ी ऑपरेटरों को अनुमति देने के लिए सचिव समूह (जीओएस) का गठन किया है। सचिव समूह द्वारा अभी तक चार बैठकें आयोजित की गई हैं। बहरहाल इस संबंध में विवरण और तौर-तरीकों को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

*****